

# पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज

## एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

# पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी का विकास



पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र-, प्रयागराज द्वारा माघ मेला -2021 में चल रहे वन प्रसार एवं चेतना शिविर में कृषिवानिकी विषय पर दिनांक 09.02.2021 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उठ प्रठ, लखनऊ के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश हेतु विभिन्न कृषिवानिकी मॉडलों का चुनाव, स्थापन तथा बिक्री संबंधित तकनीकी से किसानों, विद्यार्थियों तथा अन्य को अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डाँठ संजय सिंह केंद्र प्रमुख तथा विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ। डाँ सिंह ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र-, प्रयागराज के वन क्षेत्र की तरफ उन्मुख कार्यों को तथा मेला में आयोजित प्रदर्शन शिविर के उद्देश्य से अवगत कराते हुए लाख की प्रजातियों तथा कृषिवानिकी में सहजन का महत्व भी बताया।

केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर संयोजक डॉ कुमुद दूबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में वनों को बढ़ावा देने में केंद्र के प्रयासों पर विस्तृत चर्चा करते हुए कृषिवानिकी के अंतर्गत मीलिया डूबिया तथा महुआ प्रजातियों के साथ पर्यावरण में इसके हस्तक्षेप से अवगत कराया। डॉ अनुभा श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ने केंद्र में चल रही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उठ प्रठ, लखनऊ की परियोजना -Introduction of Agro forestry Technologies in Eastern Plain Region of Uttar Pradesh के अंतर्गत आंवला तथा सागौन आधारित कृषिवानिकी मॉडलों के प्रचार-प्रसार हेतु मॉडलों के स्थापन, रखरखाव, उत्पाद का निष्कर्षण तथा विपणन विषयों पर विस्तृत जानकारी देने के साथ आंवला के नरेंद्र किस्मों की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए उत्पाद / काष्ठ के बिक्री स्रोतों की जानकारी दी।



इसके अतिरिक्त, डॉ श्रीवास्तव ने यूकेलिप्टस आधारित कृषिवानिकी में पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में परियोजना परिणाम के आधार पर उत्कृष्ट क्लोनों का भी वर्णन किया जिससे क्षेत्र विशेष के कृषक लाभान्वित हो सकते हैं। केंद्र में चल रही अन्य परियोजना के अंतर्गत गम्हार आधारित कृषिवानिकी के महत्व, पौध की उपलब्धता तथा रख रखाव की भी जानकारी दी गयी। इसी क्रम में केंद्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एस डी शुक्ला ने कृषिवानिकी में अंतरफसल के रूप में औषधीय पौध सतावर से होने वाले आर्थिक लाभों से अवगत कराया।

इस अवसर पर एक प्रशिक्षण पुस्तिका – सागौन: आर्थिक समृद्धि हेतु व्यावसायिक खेती का भी विमोचन केंद्र प्रमुख डाँ० संजय सिंह द्वारा किया गया।विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधार्थियों ने अलग-अलग विषयों पर क्रमशः योगेश अग्रवाल- कृषिवानिकी में मसालों की खेती, अमित कुमार- यूकेलिप्टस कृषिवानिकी, चार्ली मिश्रा –पाँपलर कृषिवानिकी, हरिओम शुक्ला- सागौन व आँवला, विनीत- बांस कृषिवानिकी, सत्यव्रत सिंह- औषधीय पौधों, अमन – महुआ, विनय- सहजन तथा शिश प्रकाश- गम्हार कृषिवानिकी आदि पर चर्चा किया तथा संबन्धित पोस्टर का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन डाँ अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 65 प्रतिभागीगण ने भाग लिया, जिसमे प्रगतिशील किसान, विद्यार्थी तथा संबन्धित जन सिम्मलित थे।

















## One day training organized by eco-Restoration Forest Research Center

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: A one-day training program on the subject of agronomy was organized at the ongoing Forest Dissemination and Consciousness Camp at Magh Mela-2021 by the Eco-Restoration Forest Research Center. This training was organized in collaboration with Council of Science and Technology Uttar Pradesh, Lucknow. The objective of the program was to make farmers, students and others aware of the technology related to the selection, installation and sale of various agro-forestry models for eastern Uttar Pradesh. The program was started by the Chief Guest Center Chief Dr. Sanjay Singh and various



scientists by lighting the lamp. Dr. Singh apprised the species and population of Lakh by informing them towards the forest area of Eco-Rehabilitation Forest Research Center, Prayagraj under the Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun, and the purpose of demonstration camp organized at the fair. The center's senior scientist and camp coordinator Dr. Kumud Dubey, scientist Dr. Anubha Srivastava, senior technical officer Dr. SD Shukla gave important and useful information to the trainees. The training program was conducted under the guidance of Dr. Anubha Srivastava and Dr. SD Shukla. Progressive farmers like RK Singh, OP Mishra Munnu Kumar and others also participated in the program.

## संगम तीरे



माघ मेला में मंगलवार को पूर्वी उप्र कृषि वानिकि की विकास पर संगोष्ठी हुई।

## लाख की खेती की बताईं बारीकियां

प्रयागराज। पारिपुनर्स्थापना वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र में चल रहे वन प्रसार एवं चेतना शिविर में कृषि वानिकी विषय पर एक दिनी प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि डॉ संजय सिंह ने लाख और सहजन की खेती की बारीकियों से रूबरू कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर संयोजक डॉ कुमुद दुबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में वनों को बढ़ावा देने में केंद्र के प्रयासों की विस्तृत चर्चा की। डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने केंद्र में चल रही परियोजना तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी का विकास के अंतर्गत आंवला तथा सागौन आधारित कृषि वानिकी मॉडलों को बताया। डॉ एसडी शुक्ला ने सतावर से होने वाले लाभों से अवगत कराया। इसके बाद विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधार्थी योगेश अग्रवाल, हरिओम शुक्ला, विनीत, सत्यव्रत सिंह, विनय, शिश प्रकाश ने विचार रखे।

फिरोजाबाद,बुघवार १० फरवरी २०२१

02 समय भास्कर

www.samaybhaskar.com

उत्तर प्रदेश

## कृषि वानिकी प्रोत्साहन को हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

#### संगम तट पर माघ मेला में कृषि वैज्ञानिकों ने बताए कृषि वानिकी के लाभ

समय भास्कर प्रयागराजः पारि-पुनर्स्थापना वन अनुसंधान केंद्र द्वारा माध मेला में चल रहे वन प्रसार एवं चेतना शिविर में कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यान एवं प्रीधोगिको परिषद २० प्रथ, लखनक के सहयोग से संपन्न हुए कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश हेतु विभिन्न कृषिवानिको गाँडलों का चुनाव, स्थापन तथा विक्रो संबंधित तकनीको से किसानी, विद्यार्थियों तथा अन्य को अध्यान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह केंद्र प्रमुख तथा विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा प्रेप प्रश्चलित करने के साथ हुआ। डॉ. सिंह ने भारतीय चालेन अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत पारि-पुनरस्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागरात के वन क्षेत्र को तरफ उन्मुख कार्यों को तथा सेता में आयोजित प्रश्नीन शिविर केंद्रस्थ से अवगत कराया। लाख की प्रजातियों



तथा सहजन की खेती के बारे में बताया। केंद्र की बरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिवर संगोजक डॉ.कुगुर दूबे ने पृत्री उत्तर प्रदेश में बनों को बढ़ावा देने में केंद्र फयासी पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कृषिवानिकों के अंतर्गत मीलिया इचिया तथा महुआ प्रजातियों के साथ पर्यावरण में इसके

हस्तक्षेप से भी अवगत कराया। डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ने केंद्र में चल रही परियोजना यथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिक का विकास के अंतर्गत आंवला तथा सामैंन आधारित कृषिवानिको मॉडलॉ के प्रचार-प्रसार हेत्र मॉडलॉ के स्थापन, रखरखाव, उत्पादन का निकर्षण तथा विषणन विषयों पर विस्तृत जानकारी दो। जिसके साथ हो आंवला को नरेंद्र किस्मी की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए उत्पादों और काष्ट के बिक्की स्रोतों से भी अवगत कराया। साथ हो उन्होंने युकेलिण्टस व गम्हार पर भी प्रकाश डाला।

इसी फ्रम में केंद्र के विष्ठ तकनीकों अधिकारों डॉ. एस. डॉ. शुक्ला ने सताबर से होने वाले लगारों से पूर्णत: अवगत कराया। इसके बाद विभिन्न परियोजनाओं में कार्यत शोधार्थियों ने अलग-अलग विषयों पर क्रमश: योगेश अग्रवाल-कृषियातीनकों में मसालों को खेतों, अमत कुमार-यूकेलिन्टस, चालों-पॉपुलर, हरिओम शुक्ला-सागीन व औंचला, विनीत-बांस, सालव्यत सिह-औषशोय पीओं, विनव-विभिन्न प्रजाति तथा शशि प्रकाश गंभार आदि पर विस्तृत चर्चां की। प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ.अनुभ श्रीवासत्व तथा डॉ.एस

प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ.अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ.एस डी.शुक्ला के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि वानिकी क्षेत्र में लाभ प्राप्त कर चुके प्रपतिशील किसान आर के.सिंह, ओ. पी.मिश्रा ,मुन् कमार आदि ने भी भाग लिया।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj-211002

### प्रयागराज

# माघ मेले में वैज्ञानिकों ने कृषि वानिकी मॉडलों की दी जानकारी

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। पूर्वी उत्तर प्रदेश में विधिन्न कृषि वानिकी मॉडलों का चुनाव, स्थापन तथा बिक्री सम्बन्धित तकनीकी से अवगत कराने के उद्देश्य से माघ मेला में पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा कृषि वानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उप्र, लखनऊ के सहयोग से किया गया।

जिसमें केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह तथा वैज्ञानिकों ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अन्तर्गत पारि-पुनस्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के वन क्षेत्र की तरफ उन्मुख कार्यों तथा माघ मेला में आयोजित प्रदर्शन शिविर के उद्देश्य से अवगत कराते हुए रूबरू कराया। केन्द्र की विरष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर संयोजक डॉ. कुमुद दूवे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में वनों को

बढ़ावा देने सम्बन्धित केन्द्र के प्रयासों पर चर्चा करने के साथ मीलिया दुबिया तथा महुआ प्रजाति

विकास के अन्तर्गत आँवला तथा सागौन आधारित कृषि वानिकी मॉडलों के प्रचार-प्रसार हेतृ मॉडलों



के कृषि वानिकी प्रयोग से अवगत कराते हुए पर्यावरण में इसके इस्तक्षेप से परिचय कराया। वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने केन्द्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उप्र, लखनऊ के वित्तीय सहयोग से चल रही परियोजना यथा पूर्वी उप्र में कृषि वानिकी का

के स्थापन, रख-रखाव, उत्पाद का निष्कर्षण तथा विपणन विषयों पर जानकारी देने के साथ आँवला के नरेन्द्र किस्मों की गुणवत्ता तथा यूकेलिण्टस व गम्हार पर प्रकाश उत्ता।

केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला ने सतावर से होने वाले लाभों से अवगत कराया। विभिन्न परियोजनाओं में कार्यर शोधाधियों ने अलग अलग विषयों पर अपने-अपने अनुभव साझा किये। जिसमें योगेश अग्रवाल ने मसालों के साथ वानिकी प्रजातियों, अमन मिश्रा-मीलिया डूबिया तथा महुआ, अमित कुमार-यूकेलिप्टस, चाली-पॉपलर, हरिओम शुक्ला-सागीन व आँवला, विनीत-बाँस, सत्यव्रत सिंह-औषधीय पौधों, विनय-विभिन्न प्रजाति तथा शिश प्रकाश-मध्मंप्र आदि पर चर्चा की। कार्यक्रा प्रसा, अविद ग्रं चर्चा की। कार्यक्रा प्रसा, अप्रा प्रवारान नथां से उं. उस्ती शुक्ला के मार्गदर्शन में हुआ।

कार्यक्रम में उन प्रगतिशील किसानों आर.के सिंह, ओ.पी मिश्रा, मुत्रू कुमार तथा अन्य ने भी भाग लिया जो पूर्व में केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से कृषि वानिकी क्षेत्र में लाभ प्राप्त किये हैं।

प्रयाग प्रभात (हिन्दी दैनिक)

प्रयागराज बुधवार, 10 फरवरी 2021

# माघ मेला–2021 का आयोजन



प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापना वन अनुसंघान केंद्र द्वारा माघ मेला-2021 में चल रहे वन प्रसार एवं चेतना शिविर में कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ० प्रठ, लखनऊ के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश हेतु विभिन्न कृषिवानिकी मॉडलॉ का चुनाव, स्थापन तथा विक्री संबंधित तकनीकी से किसानॉ, विद्यार्थियों तथा अन्य को अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुगारंम मुख्य अतिथि डॉंठ संजय सिंह केंद्र प्रमुख तथा विभन्न वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ। डॉं सिंह ने भारतीय वानिकी अनुसंघान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत पारि—पुनर्स्थापन वन अनुसंघान केंद्र, प्रयागराज के वन क्षेत्र की तरफ उन्मुख कार्यों को तथा मेला में आयोजित प्रदर्शन शिविर के उद्देश्य से अवगत कराते हुए लाख की प्रजातियों तथा सहजन से भी रूबक कराया। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर संयोजक डॉ कुमुद दूबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में वनों को बढ़ावा देने में केंद्र के प्रयासों पर विस्तृत चर्चा करते हुए कृषिवानिकी के अंतर्गत मीलिया डूबिया तथा महुआ प्रजातियों के साथ पर्यावरण में इसके हस्तक्षेप से भी अवगत कराया।

डॉ अनुमा श्रीवारतव, वैज्ञानिक ने केंद्र में चल रही परियोजना यथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी का विकास के अंतर्गत आंवला तथा सागौन आह ॥रित कृषिवानिकी मोंडलों के प्रचार-प्रसार हेतु मोंडलों के स्थापन, रखरखाव, उत्पादन का निष्कर्षण तथा विपणन विषयों पर विस्तृत जानकारी देने के साथ आंवला के नरेंद्र किस्मों की गुणवता पर प्रकाश डालते हुए उत्पादक काछ के बिक्री सोतों से मी अवगत कराया साथ ही उन्होंने यूकेलिप्टस व गम्हार पर भी प्रकाश डाला। इसी क्रम में केंद्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एस डी शुक्ला ने सतावर से होने वाले लामों से पूर्णतः अवगत कराया।

इसके बाद विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोवार्थियों ने अलग-अलग विषयों पर क्रमशः योगेश अग्रवाल-कृ षिवानिकी में मसालों की खेती, अमित कुमार-यूके लिप्टस, चार्ली-पॉप्लर, हरिओम शुक्ला-सागौन व आँवला. विनीत-बांस सत्यवत सिंह-औषध शिय पौधों, विनय-विभिन्न प्रजाति तथा शशि प्रकाश गंभार आदि पर विस्तृत चर्चा की प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ अनुमा श्रीवास्तव तथा डॉ एस डी शुक्ला के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों यथा आर के सिंह, ओ पी मिश्रा मुन्नू कमार तथा अन्य ने भी भाग लिया जो कि पूर्व में केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से कृषि वानिकी क्षेत्र में लाग प्राप्त कर चुके।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj-211002



## प्रयागराज/अमेठी/उन

लखनऊ, बुधवार, १० फरवरी २०२

# ावानिकी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आर

बालजी न्यूज

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थांपना वन अनुसंधान केंद्र द्वारा माघ मेला-2021 में चल रहे वन प्रसार एवं चेतना शिविर में क्षिवानिको विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यऋम का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ०प्र०, लखनऊ के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश हेत् विभिन्न कपिवानिकी मॉडलों का चनाव, स्थापन तथा बिक्री संबंधित तकनीकी से किसानों, विद्यार्थियों तथा अन्य को अवगत कराना था। कार्यक्रम का शभारंभ मुख्य अतिथि डॉ संजय सिंह



केंद्र प्रमुख तथा विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा प्रदर्शन शिविर के उद्देश्य से अवगत के अंतर्गत मीलिया इबिया तथा महुआ कृषिवानिकी मॉडलों के प्रचार-प्रसार एस डी शुकला के मार्गदर्शन में दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ। डॉ कराते हुए लाख की प्रजातियों तथा प्रजातियों के साथ पर्यावरण में इसके हेतु मॉडलों के स्थापन, रखरखाव, सफलतापूर्वक संफा हुआ। कार्यक्रम में सिंह ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं सहजन से भी रूबरू कराया। केंद्र की हस्तक्षेप से भी अवगत कराया। डॉ उत्पादन का निष्कर्षण तथा विपणन शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर संयोजक अनुभा श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ने केंद्र में विषयों पर विस्तृत जानकारी देने के ओ पी मिश्रा मुत्रु कुमार तथा अन्य ने भी पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, डॉ कुमुद दुबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजना यथा पूर्वी उत्तर साथ आंवला के नरेंद्र किस्मों की गुणवत्ता भाग लिया जो कि पूर्व में केंद्र द्वारा प्रयागराज के वन क्षेत्र की तरफ उन्मुख वनों को बढ़ावा देने में केंद्र के प्रयासों प्रदेश में कृषिवानिकों का विकास के पर प्रकाश डालते हुए उत्पादीं/ काष्ट के आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से कृषि

कार्यों को तथा मेला में आयोजित पर विस्तृत चर्चा करते हुए कृषिवानिकी अंतर्गत आंवला तथा सागौन आधारित विक्री स्रोतों से भी अवगत कराया साथ ही वानिकी क्षेत्र में लाभ प्राप्त कर चुके।

उन्होंने वकेलिप्टस व गम्हार पर भी प्रकाश द्यला। इसी ऋम में केंद्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एस डी शुक्ला ने सतावर से होने वाले लाभों से पूर्णत: अवगत कराया। इसके बाद विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधार्थियों ने अलग-अलग विषयों पर ऋमश: योगेश अग्रवाल-कृषिवानिकी में मसालों की खेती, अमित कमार-युकेलिप्टस, चार्ली-पॉपुलर, हरिओम शुक्ला-सागौन व औंवला, विनीत-बांस, सत्यव्रत सिंह-औषधीय पौधों, विनय-विभिन्न प्रजाति तथा शशि प्रकाश गंभार आदि पर विस्तृत चर्चा की प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ प्रगतिशील किसानों यथा आर के सिंह,



प्रयागराज, बुधवार, 10 फरवरी, 2021

कृषक वानिकी में सहजन के पेड़ को शामिल करें व मसाले की खेती करें-डॉ0 संजय सिंह

# टिशू कल्चर से तैयार यूकेलिप्टस व सागौन के पेड़ जल्दी तैयार होते हैं-डाॅ0 अनुभा श्रीवास्तव

## मिलिया डुबिया का पेड़ कम पानी व छह वर्ष में तैयार हो जाता है - डाँ० कुमुद दुबे

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापना वन अनुसंधान केंद्र द्वारा माध मेला-2021 में सल रहे तन प्रसार एतं चेतना शिविर में कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान एवं प्रीदयोगिकी परिषद 30 प्र0, लखनऊ के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश हेतु विभिनन कृषिवानिकी मॉडलों का चुनाव, स्थापन तथा बिक्री संबंधित तकनीकी से किसानों, विदयाथिन्यों तथा अन्य को अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ0 संजय सिंह केंद्र प्रमुख तथा विभिन-वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ। डॉ सिंह ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत



पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज के वन क्षेत्र की तरफ उन्मरब कायीं को तथा मेला में आयोजित प्रदर्शन शिविर के उद्देश्य

से अवगत कराते हुए लाख की प्रजातियों तथा सहजन से भी रुबरु कराया। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर संयोजक डॉ कुमुद दूबे

ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में वनों को बढ़ावा देने में केंद्र के प्रयासों पर विस्तृत चर्चा करते हुए कृषिवानिकी के अंतर्गत मीलिया इविया तथा महआ प्रजातियों के साथ पर्यावरण में इसके हस्तक्षेप से भी अवगत कराया। डॉ अनुभा श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ने केंद्र में चल रही परियोजना यथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी का विकास के अंतर्गत आंवला तथा सागौन आधारित कृषिवानिकी मॉडलों के प्रचार-प्रसार हेत् मॉडलों के स्थापन, रखरखाव, उत्पादन का निष्कर्षण तथा विपणन विषयों पर विस्तत जानकारी देने के साथ आंवला के नरेंद्र किस्मों की गणवत्ता पर प्रकाश डालते हए उत्पादों/ काष्ठ के विक्री स्रोतों से भी अवगत कराया साथ ही उन्होंने यूकेलिप्टस व गम्हार पर भी प्रकाश डाला। इसी क्रम में केंद्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एस डी शुक्रा ने सतावर से होने वाले लाभों से पर्णतः अवगत कराया। इसके बाद विभिनन

परियोजनाओं में कार्यरत शोधाथिन्यों ने अलग-अलग विषयों पर क्रमशः योगेश अग्रवाल-क्षितानिकी में मसालों की खेती अमित कुमार-यूकेलिप्टस, चार्ली-पॉपुलर, हरिओम शुक्रा-सागौन व आँवला, विनीत-बांस, सत्यव्रत सिंह-औषधीय पौधों, विनय-विभिनन प्रजाति तथा शशि प्रकाश गंभार आदि पर विस्तृत चर्चा की प्रशिक्षण कार्यक्रम् डॉ अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ एस डी शुक्रा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपनन हुआ। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों यथा आर के सिंह, ओ पी मिश्रा मुनटू कुमार तथा अन्य ने भी भाग लिया जो कि पूर्व में केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से कषि वानिकी क्षेत्र में लाभ प्राप्त कर

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002

## मेला में दी कृषि वानिकी की ट्रेनिंग

जासं, प्रयागराज ः पारि-पुनर्स्थापना वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र में चल रहे वन प्रसार एवं चेतना शिविर में कृषि वानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए विभिन्न कृषि वानिकी मॉडलों का चुनाव, स्थापन तथा बिक्री संबंधित तकनीकी से किसानों, विद्यार्थियों को अवगत कराना है। शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने किया।

इस मौके पर शिविर संयोजक डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव डॉ. एसडी शुक्ला, डॉ. एसडी शुक्ला, आरके सिंह, ओपी मिश्रा, मुन्नू कुमार आदि मौजूद रहे।



पारि-पुनर्स्थापना वन अनुसंघान केंद्र के प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित वक्ता 🏿 जागरण

## माघ मेले में वैज्ञानिकों ने कृषि वानिकी मॉडलों की दी जानकारी

प्रयागराज(नि. सं)। पूर्वी उत्तर प्रदेश में विभिननकृषि वानिकी मॉडलों का चुनाव, स्थापन तथा बिक्री सम्बन्धित तकनीकी से अवगत कराने के उद्देश्य से माघ मेला में पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा कृषि वानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उप्र, लखनऊ के सहयोग से किया गया।

जिसमें केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह तथा वैज्ञानिकां ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अन्तर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के वन क्षेत्र की तरफ उन्मुख कायीं तथा माघ मेला में आयोजित प्रदर्शन शिविर के उद्देश्य से अवगत कराते हुए रूबरू कराया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर संयोजक डॉ. कुमृद

दुबे ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में वनों को बढ़ावा देने सम्बन्धित केन्द्र के प्रयासों पर चर्चा करने के साथ मीलिया डूबिया तथा महुआ प्रजाति के कृषि वानिकी प्रयोग से अवगत कराते हुए पर्यावरण में इसके हस्तक्षेप से परिचय कराया। वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने केन्द्र में विज्ञान एवं प्रौदयोगिकी परिषद उप्र, लखनऊ के वित्तीय सहयोग से चल रही परियोजना यथा पूर्वी उप्र में कृषि वानिकी का विकास के अन्तर्गत आँवला तथा सागौन आधारित कृषि वानिकी मॉडलों के प्रचार-प्रसार हेतु मॉडलों के स्थापन, रख-रखाव, उत्पाद का निष्कर्षण तथा विपणन विषयों पर जानकारी देने के साथ आँवला के नरेन्द्र किस्मों की गुणवत्ता तथा यूकेलिप्टस व गम्हार पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्रा

ने सतावर से होने वाले लाभों से अवगत कराया। विभिनन्परियोजनाओं में कार्यरत शोधाथिऱ्यों ने अलग अलग विषयों पर अपने-अपने अनुभव साझा किये। जिसमें योगेश अग्रवाल ने मसालों के साथ वानिकी प्रजातियों, अमन मिश्रा-मीलिया डूबिया तथा महुआ, अमित कुमार-यूकेलिप्टस, चार्ली-पॉपलर, हरिओम शुक्रा-सागीन व आँवला, विनीत-बाँस, सत्यव्रत सिंह-औषधीय पौधों, विनय-विभिनन प्रजाति तथा शशि प्रकाश-गम्भार आदि पर चर्चा की। कार्यक्रम डॉ.अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. एस.डी शुक्रा के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में उन प्रगतिशील किसानों आर.के सिंह, ओ.पी मिश्रा, मुनन् कुमार तथा अन्य ने भी भाग लिया जो पूर्व में केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से किष वानिकी क्षेत्र में लाभ प्राप्त किये हैं।